

## MPS – 002 IMPORTANT QUESTIONS

### IGNOU MA POLITICAL SCIENCE

#### EXAMINE THE NORTH SOUTH DIVIDE IN GLOBAL ENVIRONMENT CRISIS

The **North-South Divide** refers to the socio-economic and political differences between the more developed, wealthy countries in the Northern Hemisphere (commonly known as the "Global North") and the less developed, often poorer countries in the Southern Hemisphere (known as the "Global South"). This divide is not strictly geographical but is rooted in historical, economic, and environmental disparities that have shaped the global landscape.

उत्तर-दक्षिण विभाजन का तात्पर्य उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित अधिक विकसित, समृद्ध देशों (जिन्हें आमतौर पर "वैश्विक उत्तर" कहा जाता है) और दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित कम विकसित, अक्सर गरीब देशों (जिन्हें "वैश्विक दक्षिण" के रूप में जाना जाता है) के बीच सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक अंतर से है। यह विभाजन केवल भौगोलिक नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक, आर्थिक और पर्यावरणीय असमानताओं में निहित है, जिन्होंने वैश्विक परिदृश्य को आकार दिया है।

#### North-South Divide in the Global Environmental Crisis:

##### • Industrialization and Historical Responsibility

- Developed countries, primarily in the Northern Hemisphere, contributed significantly to greenhouse gas emissions during early stages of industrialization.
- These countries are often considered more historically responsible for today's environmental crisis because of their past industrial activities.
- Many Southern nations argue that the North has already polluted the environment significantly, so it should bear a larger responsibility for addressing the crisis.
- **औद्योगिकीकरण और ऐतिहासिक जिम्मेदारी**
  - विकसित देश, जो उत्तरी गोलार्द्ध में अधिकतर स्थित हैं, औद्योगिकीकरण के शुरुआती चरणों में अत्यधिक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कर चुके हैं।

- इन देशों की ऐतिहासिक जिम्मेदारी अधिक मानी जाती है क्योंकि उनकी औद्योगिक गतिविधियाँ आज के पर्यावरण संकट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- कई दक्षिणी देशों का तर्क है कि उत्तर ने पहले ही वातावरण को प्रदूषित कर दिया है और अब उसे इस संकट का बड़ा हिस्सा संभालना चाहिए।

### • Development and Economic Priorities

- Southern countries prioritize issues like development and poverty alleviation, making it difficult for them to reduce carbon emissions significantly.
- While Northern countries can prioritize environmental issues more easily, Southern nations still need to focus on economic growth and meeting basic needs.
- Southern countries argue that environmental restrictions might slow down their economic progress.
- **विकास और आर्थिक प्राथमिकताएं**
  - दक्षिणी देशों में विकास और गरीबी उन्मूलन जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे उनके लिए कार्बन उत्सर्जन में कमी करना कठिन हो सकता है।
  - जबकि उत्तरी देश पर्यावरणीय मुद्दों को प्राथमिकता दे सकते हैं, दक्षिणी देशों के लिए आर्थिक वृद्धि और मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना अभी भी प्राथमिकता है।
  - दक्षिणी देशों का मानना है कि पर्यावरणीय प्रतिबंध उनकी आर्थिक प्रगति को धीमा कर सकते हैं।

### • Financial and Technological Support

- Southern, or developing, nations seek financial and technological support to implement environmental programs and adopt green energy.
- Northern countries often pledge support but face criticism for either insufficient levels of aid or delays in providing it.
- This imbalance can lead to distrust between the North and South.
- **वित्तीय और तकनीकी सहायता**

- दक्षिणी देश, जो कि विकासशील राष्ट्र हैं, अपने पर्यावरणीय कार्यक्रमों और हरित ऊर्जा को अपनाने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता की माँग करते हैं।
- उत्तरी देश कई बार सहायता देने का वादा करते हैं, लेकिन अक्सर इस सहायता का स्तर या समय पर वितरण विवादास्पद रहता है।
- यह असंतुलन उत्तर-दक्षिण संबंधों में विश्वास की कमी पैदा करता है।

#### • Resource Consumption and Emissions

- Northern countries have high levels of consumption due to their lifestyles, leading to greater resource use and greenhouse gas emissions.
- In Southern countries, per capita emissions are comparatively low, but population growth could put increasing pressure on the environment.
- These factors create disagreements on which measures each side should adopt.

#### • संसाधनों का उपभोग और उत्सर्जन

- उत्तरी देश अपनी उच्च जीवनशैली और उच्च उपभोग स्तरों के कारण संसाधनों का अधिक दोहन करते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी अधिक होता है।
- दक्षिणी देशों में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन तुलनात्मक रूप से कम होता है, लेकिन उनकी जनसंख्या वृद्धि पर्यावरण पर दबाव बढ़ा सकती है।
- इन तथ्यों के कारण दोनों पक्षों में असहमति रहती है कि कौन से उपाय किसे अपनाने चाहिए।

#### • Differences in Climate Change Policies

- Northern countries tend to adopt strict climate change policies, while Southern nations find it challenging to implement these policies due to their economic situations.
- Northern countries may expect the South to enforce similar policies, while Southern nations ask for flexibility and more time.
- This divide often surfaces in climate negotiations and complicates international agreements.
- **जलवायु परिवर्तन नीतियों में अंतर**

- उत्तरी देश जलवायु परिवर्तन पर सख्त नीतियाँ अपनाते हैं, जबकि दक्षिणी देशों के लिए इन नीतियों को अपनाना उनकी आर्थिक स्थिति के अनुसार कठिन होता है।
- उत्तरी देश चाह सकते हैं कि दक्षिण भी उतनी ही सख्ती से नीतियों का पालन करे, जबकि दक्षिणी देश लचीलापन और अधिक समय की माँग करते हैं।
- यह मतभेद जलवायु वार्ताओं में अक्सर देखा जाता है और अंतरराष्ट्रीय समझौतों को कठिन बनाता है।

## 2. EXPLAIN THE ASIAN AFRICAN APPROACHES FOR REGIONAL CO-OPERATION

### 1. Economic Integration and Trade Cooperation

Asian and African countries aim to strengthen their economies through regional trade agreements and economic partnerships. Organizations like the African Continental Free Trade Area (AfCFTA) and the Association of Southeast Asian Nations (ASEAN) help reduce trade barriers and encourage free trade among member countries. For example, AfCFTA aims to create a single African market, making it easier for goods, services, and investments to flow between countries.

एशियाई और अफ्रीकी देश क्षेत्रीय व्यापार समझौतों और आर्थिक साझेदारी के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना चाहते हैं। अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र (AfCFTA) और दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन (ASEAN) सदस्य देशों के बीच व्यापार बाधाओं को कम करने और मुक्त व्यापार को प्रोत्साहित करने में मदद करते हैं। उदाहरण के लिए, AfCFTA एक एकल अफ्रीकी बाजार बनाने का प्रयास करता है, जिससे देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और निवेश का प्रवाह आसान हो सके।

### 2. Focus on Peace and Conflict Resolution

To ensure regional stability, Asian and African countries emphasize peaceful conflict resolution. The African Union (AU) and ASEAN both actively work to mediate disputes and promote diplomacy. For instance, the AU has sent

peacekeeping missions to areas facing conflict, such as Sudan and Somalia. In Asia, ASEAN has successfully promoted peaceful relations in the South China Sea dispute by encouraging dialogue and cooperation.

क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, एशियाई और अफ्रीकी देश संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर देते हैं। अफ्रीकी संघ (AU) और ASEAN दोनों ही विवादों को सुलझाने और कूटनीति को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम करते हैं। उदाहरण के लिए, AU ने सूडान और सोमालिया जैसे संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में शांति मिशन भेजे हैं। एशिया में, ASEAN ने दक्षिण चीन सागर विवाद में बातचीत और सहयोग को प्रोत्साहित करके शांतिपूर्ण संबंधों को बढ़ावा दिया है।

### **3. Investment in Sustainable Development**

Both regions recognize the importance of sustainable development, focusing on projects that protect the environment and support the well-being of their citizens. The African Union's Agenda 2063 and ASEAN's Sustainable Development Goals (SDGs) encourage member nations to invest in renewable energy, sustainable agriculture, and eco-friendly infrastructure. For instance, Kenya has invested in solar power to provide electricity to rural areas, reducing dependence on non-renewable energy.

दोनों क्षेत्र सतत विकास के महत्व को पहचानते हैं और पर्यावरण की सुरक्षा और अपने नागरिकों की भलाई को बढ़ावा देने वाले परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। अफ्रीकी संघ का एजेंडा 2063 और ASEAN के सतत विकास लक्ष्य (SDGs) सदस्य देशों को नवीकरणीय ऊर्जा, सतत कृषि और पर्यावरण-अनुकूल बुनियादी ढांचे में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उदाहरण के लिए, केन्या ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध कराने के लिए सौर ऊर्जा में निवेश किया है, जिससे गैर-नवीकरणीय ऊर्जा पर निर्भरता कम हुई है।

### **4. Promoting Cultural Exchange and Mutual Understanding**

Cultural exchange programs are essential for building stronger regional ties. Asian and African countries host events like art exhibitions, student exchange programs, and cultural festivals to encourage mutual respect and understanding. For instance, the Asian-African Conference (also called the Bandung Conference) emphasized cultural cooperation as a foundation for building a shared identity and purpose between the regions.

सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम मजबूत क्षेत्रीय संबंध बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। एशियाई और अफ्रीकी देश कला प्रदर्शनियों, छात्र विनिमय कार्यक्रमों और सांस्कृतिक उत्सवों जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं ताकि आपसी सम्मान और समझ को प्रोत्साहित किया जा सके। उदाहरण के लिए, एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन (जिसे बांडुंग सम्मेलन भी कहा जाता है) ने सांस्कृतिक सहयोग पर जोर दिया ताकि दोनों क्षेत्रों के बीच एक साझा पहचान और उद्देश्य का निर्माण हो सके।

## **5. Collaboration on Health and Education**

Health and education are crucial areas where Asian and African nations collaborate to improve quality of life. African countries have adopted the “Harmonization for Health in Africa” initiative to work together on public health issues, while ASEAN supports educational exchange and research initiatives. For example, ASEAN has implemented scholarship programs for students across Asia to study in different member countries, promoting a more educated and connected generation.

स्वास्थ्य और शिक्षा ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जहां एशियाई और अफ्रीकी देश जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सहयोग करते हैं। अफ्रीकी देशों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों पर एक साथ काम करने के लिए "हेल्थ इन अफ्रीका में समन्वय" पहल को अपनाया है, जबकि ASEAN शैक्षिक आदान-प्रदान और अनुसंधान पहलों का समर्थन करता है। उदाहरण के लिए, ASEAN ने एशिया के विभिन्न देशों के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रम लागू किए हैं, जो एक अधिक शिक्षित और जुड़े हुए पीढ़ी को बढ़ावा देते हैं।